मज़ा आ गया

मेरे हालात पर तूने जब साँवरे....
अपनी नज़रे घुमाई मज़ा आ गया....
हो गयी यूँ तेरी मुझ पे नज़रें क़रम...
ज़िन्दगी मुस्कुराई मज़ा आ गया....

तेरी रहमत का जो कर सके शुक्रिया....
वो ज़ुबाँ न मेरे पास है साँवरे....
बरकतें पड गई ज़िन्दगी में मेरी....
तेरी रहमत जो आई मज़ा आ गया....

तुझसे मांगू में क्या कुछ बचा ही नहीं...
तूने वो है दिया जो न मिलता कहीं...
शान शौक़त मिली मुझको दर से तेरे...
जब ये गर्दन झुकाई मज़ा आ गया....

इश्क़ की ये खुमारी छड़ी रहने दो....
आंख बाबा से मेरी लड़ी रहने दो...
जो लड़ी आंख फिर क्या बताऊँ के बस...
देख कर ये लड़ाई मज़ा आ गया...

बात अब ये यहां पर खतम न हुई...
बातों बातों में इक बात याद आ गई...
ज़िन्दगी में दुआ हार ही हार थी...
जीत तूने दिलाई मज़ा आ गया...

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/1717/title/mere-halat-par-tune-jab-saanware-apni-najre-ghumayi-maza-aa-gaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |